Reg. No. | | | | | | | | | |

**HRDHDL 154**

**II Semester B.A.(HRD) Degree Examination, April/May 2019**

*(Credit Based Semester Scheme)*

*(Common to all Batches)*

**HINDI LANGUAGE**

**Group I – Paper II**

Time : 3 Hours] [Max. Marks : 80

I. **एक** शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए। **(5 × 1 = 5)**

1. राक्षस कौन है?
2. कौमुदी महोत्सव कहाँ होनेवाला था?
3. चाणक्य के गुप्तचर का नाम क्या है?
4. मदनमोहन मालवीय जी के पुत्र का नाम क्या है?
5. "गिरमिटियों के देश में" लेख के रचयिता कौन हैं?

Shri ... College of Business Management Library MANGALORE - 575 003

II. किन्हीं **दो** अवतरणों का संदर्भ के साथ अर्थ स्पष्ट कीजिए। **(2 × 5 = 10)**

1. यह तो बड़ा कठिन दंड है ; महामात्य ! एक बार के अपराध पर जीवन-भर कष्ट भोगना पडे।
2. कौमुदी महोत्सव में पुरस्कार मिलता है, देवि ! भीख नहीं।
3. जहाँ बड़े-बड़े राजा-महाराज और खुद वाइसराय आनेवाले हैं, वहाँ मुझ जैसे फकीर की कथा ज़रूरत हो सकती है?
4. "अगर तुम पत्थर उठाओगे तो तुम्हें सोना मिलेगा।"

III. "अग्निशिखा" नाटक का सारांश लिखिए। **(1 × 10 = 10)**

अथवा

ऐतिहासिकता के आधार पर "अग्निशिखा" नाटक के नायक आचार्य चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 5 = 10)**

1. रोहिणी
2. शिखरसेन
3. मलयकेतु
4. रविसेन

V. 'काळया' रेखाचित्र का सारांश लिखिए। **(1 × 10 = 10)**

अथवा

"भगत की गत" लेख में व्यक्त व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

VI. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(2 × 5 = 10)**

1. मॉरिशस और भारत सरकार
2. रामनाथ और भगत
3. लघु भारत
4. मालवीयजी का सहिष्णुता भाव

VII. (अ) किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। **(2 × 4 = 8)**

1. वाच्य की परिभाषा लिखकर उसके भेदों को उदाहरण के साथ लिखिए।
2. काल की परिभाषा लिखकर भूतकाल के भेदों को उदाहरण के साथ लिखिए।
3. समुच्चयबोधक की परिभाषा लिखकर भेदों को उदाहरण के साथ समझाइए।

(आ) वाक्य शुद्ध कीजिए। **(4 × 1 = 4)**

1. वह मत सुनता है।
2. एक राजा होता था।
3. श्याम ने वहाँ गया।
4. लड़के रामायण पढ़ता है।

(इ) लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए। **(4 × 1 = 4)**

1. कंगाली में आटा गीला।

2. ठेस लगे बुद्धि बढ़े।

3. अन्त बुरे का बुरा।

4. जैसा राजा वैसी प्रजा।

(इ) पद परिचय दीजिए। **(1 × 4 = 4)**

सचिन क्रिकेट खेल रहा है।

(उ) हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **(1 × 5 = 5)**

Co-operation is not only a way of life, but also an attitude of mind. In ancient India our agricultural operations were based on a system of co-operation. Even today hired labour is seldom used by villagers, who work on each others field and carry on their work in a systematic manner.

ಸಹಕಾರವು ಕೇವಲ ಜೀವನದ ಮಾರ್ಗ ಮಾತ್ರವಲ್ಲ ಅದು ಮಾನವನ ಮನೋವೃತ್ತಿಯೂ ಹೌದು. ಪ್ರಾಚೀನ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ನಮ್ಮ ಕೃಷಿಗೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಕಾರ್ಯಗಳು ಸಹಕಾರ ವಿಧಾನವನ್ನು ಆಧರಿಸಿದ್ದವು. ಇಂದೂ ಕೂಡಾ ಹಳ್ಳಿಗರು, ಕೃಷಿ ಕಾರ್ಮಿಕರನ್ನು ಹೆಚ್ಚಾಗಿ ಬಳಸಿಕೊಳ್ಳದೆ ವ್ಯವಸ್ಥಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ಒಬ್ಬರು ಇನ್ನೊಬ್ಬರ ಹೊಲಗಳಲ್ಲಿ ಕೆಲಸ ಮಾಡುತ್ತ ತಮ್ಮ ಕೆಲಸವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸುತ್ತಾರೆ.

Shri Dharmasthala Manjunatheshwara
College of Business Management Library
MANGALORE - 575 003

---